**भारत सरकार**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 3400**

**07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**गैर-संचारी रोगों का प्रबंधन**

**†3400. श्री बी. वाई. राघवेन्द्रः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले दशक के दौरान गैर-संचारी रोगों (एनसीडी), विशेषकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, गंभीर श्वसन रोगों की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख नीतिगत पहलों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले दस वर्षों के दौरान प्रमुख गैर-संचारी रोगों के लिए सरकार द्वारा चलाए गए जनसंख्या-आधारित जांच कार्यक्रमों का, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसर के लिए जांचे गए व्यक्तियों की कुल संख्या कितनी है और ऐसी जांच सेवाओं के विस्तार में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की भूमिका क्या है;

(ग) डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से मरीज पंजीकरण, टेलीमेडिसिन, अनुवर्ती तंत्र और अन्य प्रौद्योगिकी-सक्षम उपायों सहित एनसीडी रोगियों के लिए देखभाल की निरंतरता को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) समर्पित क्लीनिकों, नैदानिक सुविधाओं, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ उनके एकीकरण सहित एनसीडी सेवाओं को मजबूत करने में क्या प्रगति हासिल की गई है; और

(ङ) एनसीडी की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सरकार की भावी रूपरेखा क्या है?

**उत्तर**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(श्री प्रतापराव जाधव)**

(क) और (ख) जन स्वास्थ्य और अस्पताल राज्य के विषय हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राष्ट्रीय गैर -संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी

-एनसीडी) के अधीन देश भर के राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम गैर-संचारी रोगों के लिए अवसंरचना सुदृढीकरण, मानव संसाधन विकास, जांच, प्रारंभिक निदान, रेफरल, उपचार और स्वास्थ्य संवर्धन पर केंद्रित है।

भारत सरकार, एनपी-एनसीडी के तहत मुख्य रूप से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सामान्य कैंसर (मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा), क्रॉनिक किडनी रोग, एसटी-सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एसटीईएमआई), क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) और स्ट्रोक पर ध्यान केंद्रित करती है।

एनपी-एनसीडी के अंतर्गत, 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की विभिन्न स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों के माध्यम से सामान्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए जांच की जाती है, जिनमें तीन सामान्य कैंसर (मुख कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर), मधुमेह और उच्च रक्तचाप शामिल हैं। रोकथाम, नियंत्रण और जांच सेवाएं प्रशिक्षित अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदान की जाती हैं। जनसंख्या जांच के संदर्भ में हुई प्रगति अनुलग्नक-I में संलग्न है।

(ग) सरकार ने एनसीडी रोगियों के लिए सतत परिचर्या को मजबूत करने के लिए एनपी-एनसीडी और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत कई डिजिटल पहल की हैं। एनपी-एनसीडी पोर्टल लाभार्थी पंजीकरण, जोखिम मूल्यांकन, जनसंख्या-आधारित जांच, निदान, उपचार, अनुवर्ती कार्रवाई और कार्यक्रम निगरानी सहित एनसीडी सेवाओं के प्रबंधन में सहायता करता है। विशेषज्ञ परिचर्या तक पहुंच में सुधार लाने के लिए, विशेष रूप से दूरस्थ और अल्पसेवित क्षेत्रों में, ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से टेलीपरामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, रीयल-टाइम डैशबोर्ड और डिजिटल एनालिटिक्स कार्यक्रम के प्रदर्शन की निगरानी में सहायता करते हैं, जबकि पोर्टल के माध्यम से सृजित लाइन सूचियां आशाकर्मियों और अन्य अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा रोगियों के समय पर फॉलोअप में सहायता करती हैं, जिससे उपचार के अनुपालन और देखभाल की निरंतरता में सुधार होता है।

(घ) एवं (ङ) एनपी-एनसीडी के अंतर्गत, देश भर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 कार्डियक केयर यूनिट और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए। इसके अतिरिक्त, जिला अस्पताल स्तर पर कैंसर परिचर्या की सुलभता सुनिश्चित करने के लिए देश भर में 524 डे केयर कैंसर सेंटर

(डीसीसीसी) कार्यशील हैं। इसके अतिरिक्त, एनपी-एनसीडी, एनएचएम के तहत जागरूकता सृजन (आईईसी) कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

विशिष्ट कैंसर परिचर्या सुविधा केंद्र को सुदृढ़ करने की योजना के तहत, सरकार ने देश भर में विशिष्ट स्तरीय कैंसर परिचर्या को सुदृढ़ करने के लिए 19 राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) और 20 विशिष्ट कैंसर परिचर्या केंद्रों (टीसीसीसी) को अनुमोदित किया है।

कैंसर के व्यापक उपचार को मजबूत करने के लिए, डीसीसीसी और राज्य एससीआई/टीसीसीसी के बीच एक एकीकृत रेफरल नेटवर्क स्थापित किया गया। इस हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत, एससीआई/टीसीसीसी विशेषीकृत कैंसर उपचार प्रदान करते हैं, जबकि डीसीसीसी रोगियों को उनके घरों के पास कीमोथेरेपी, फॉलो-अप, सहायक और प्रशामक देखभाल प्रदान करते हैं।

*****